उदयपुर में आदमखोर तेंदुए का शिकार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उदयपुर ज़िले** में अधिकारी कई मौतों के लिये ज़िम्मेदार एक **तेंदुए** की सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- उदयपुर ज़िले में एक तेंदुए ने सात लोगों को मार डाला है, वन विभाग, पुलिस और **भारतीय सेना** की खोज टीम जानवर को पकड़ने या मारने की कोशिश कर रही हैं।
- विभिन्न स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं और स्थानीय ग्रामीण इस प्रयास में सहायता कर रहे हैं।
- हाल ही में 55 वर्षीय महिला पर हुए घातक हमले के बाद **मुख्य वन्यजीव वार्डन** ने जानवर को गोली मारने का आदेश दिया तथा **गोगुंदा** और **आसपास के क्षेत्रों** में उसकी तलाश जारी **है।**

मुख्य वन्यजीव वार्डन

- **प्राधिकरण:** **मुख्य वन्यजीव वार्डन (Chief Wild Life Warden- CLWL)** **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** के तहत वैधानिक प्राधिकरण है जो राज्य वन विभाग के वन्यजीव विंग की देखरेख के लिये ज़िम्मेदार है।
- **प्रशासनिक नियंत्रण:** CWLW राज्य के **संरक्षित क्षेत्रों (Protected Areas- PA)** पर पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण रखता है, तथा वन्यजीव संरक्षण उपायों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करता है।
- **संरक्षित क्षेत्रों की संरचना:** प्रत्येक संरक्षित क्षेत्र (PA) को आम तौर पर एक वन्यजीव प्रभाग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसकी प्रशासनिक ज़िम्मेदारियों का नेतृत्व **उप वन संरक्षक (Deputy Conservator of Forests- DCF)** करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/man-eating-leopard-hunt-in-udaipur